सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या– 120
30/01/2026

बिहार लोक भवन में आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल एवं पुड्डुचेरी दिवस का आयोजन किया गया

पटना 30 जनवरी, 2026 :– माननीय राज्यपाल श्री आरिफ मोहम्मद खां ने बिहार लोक भवन, पटना में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के तहत आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल एवं पुड्डुचेरी राज्य के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आजादी के बाद सरदार बल्लभ भाई पटेल ने बड़ी कुशलतापूर्वक भारत के देशी रियासतों को मिलाकर भारत का राजनीतिक एकीकरण किया। लगभग 1200 वर्ष पूर्व आदि शंकराचार्य ने भी पूरे भारत का सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक एकीकरण किया था, यद्यपि उस समय भारत राजनीतिक रूप से एकीकृत नहीं था।

राज्यपाल ने महाभारत की लड़ाई से संबंधित एक उद्धरण देते हुए कहा कि किसी पूज्य व्यक्ति का अपमान करना उसकी हत्या करने के समान है जबकि आत्मप्रशंसा करना आत्महत्या के समान है।

राज्यपाल ने सऊदी के खलफ अल हरबी के एक आलेख की चर्चा की। उसमें उन्होंने लिखा है कि भारत में 100 से अधिक धर्म और 100 से अधिक भाषाएँ होने के बावजूद यहाँ के लोग शांति और सद्भाव से रहते हैं। यहाँ के लोगों में सहिष्णुता और सह अस्तित्व की भावना है।

राज्यपाल ने कहा कि भारत के विभिन्न भागों के लोगों की उपासना पद्धति, भाषा, बोली, वेशभूषा, रंग, खान–पान आदि में भिन्नता है किन्तु तमाम सांस्कृतिक विविधताओं के बावजूद एकता है क्योंकि हमारी संस्कृति आत्मा से परिभाषित होती है जो सबमें विद्यमान है।

राज्यपाल ने कार्यक्रम में भारतमाता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर इन राज्यों की संस्कृति पर आधारित रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम को योजना एवं विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव डॉ० एन० विजयलक्ष्मी, पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री एच० आर० श्रीनिवास, मुख्य वन संरक्षक श्री एस० चन्द्रशेखर तथा डी०पी०एस०, पटना के प्राचार्य श्री बी० विनोद ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर लेडी गवर्नर श्रीमती रेशमा आरिफ, राज्यपाल के प्रधान सचिव श्री रॉबर्ट एल० चोंग्थू, पूर्व अपर मुख्य सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ, बिहार में रहकर पढ़ाई करनेवाले आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल एवं पुड्डुचेरी राज्य के छात्र–छात्राएँ, इन राज्यों के अन्य महानुभाव, राज्यपाल सचिवालय के पदाधिकारीगण व कर्मीगण तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....